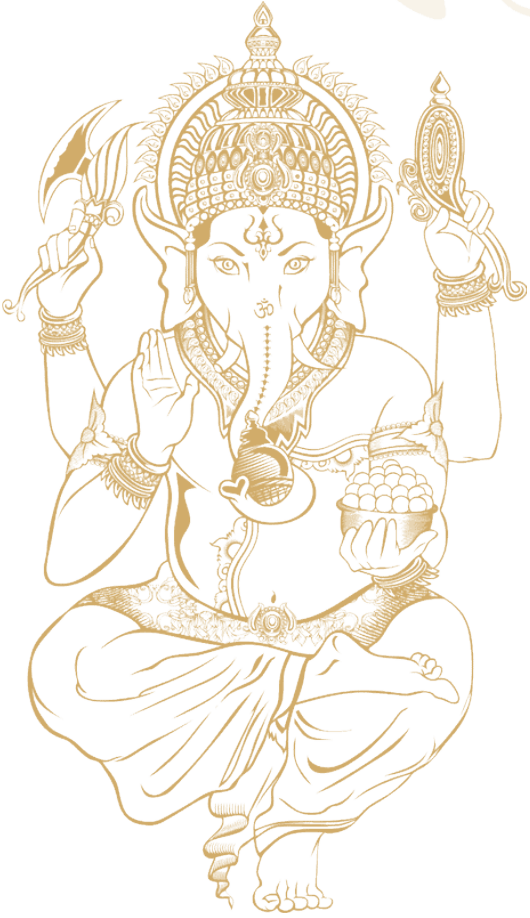

Mr.

06 Apr 2026

10:38 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121837602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/04/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**10:38:00 घंटे**
इष्ट	11:20:00 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:16:52 घंटे
वेलान्तर	-00:02:27 घंटे
साम्पातिक काल	23:14:54 घंटे
सूर्योदय	06:05:59 घंटे
सूर्यास्त	18:41:41 घंटे
दिनमान	12:35:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	22:11:18 मीन
लग्न के अंश	07:59:26 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्धि
करण	बालव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नी-नीरज
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	07:59:26	327:41:34	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			मीन	22:11:18	00:59:03	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	08:34:12	11:56:32	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	नीच राशि
मंगल		अ	मीन	02:57:58	00:46:49	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
बुध			कुंभ	24:33:06	01:05:32	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
गुरु			मिथु	21:56:01	00:04:48	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	13:49:37	01:13:41	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि		अ	मीन	11:58:08	00:07:25	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:03:49	00:06:02	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:03:49	00:06:02	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:46:09	00:02:47	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	08:10:23	00:02:13	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			मक	11:04:10	00:00:50	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	23:30:59	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

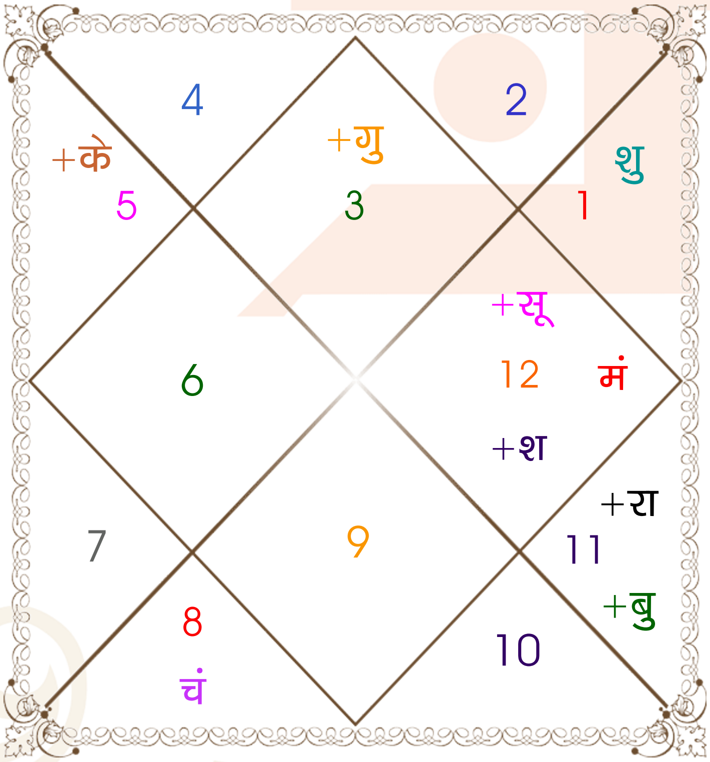

चन्द्र कुंडली

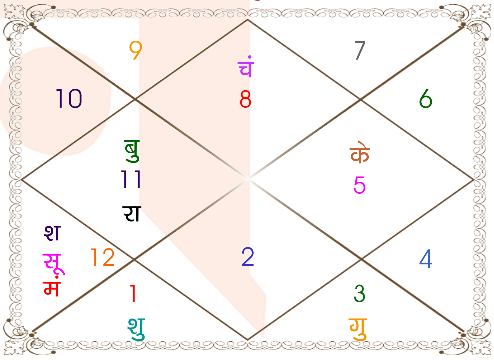

नवमांश कुंडली

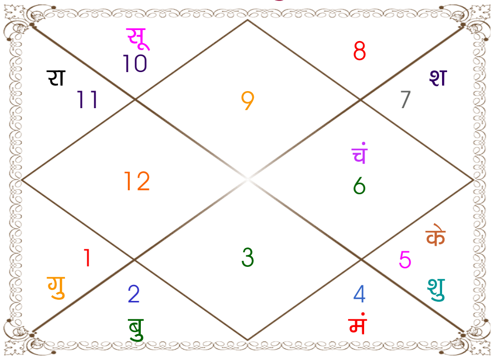

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 11 वर्ष 6 मास 13 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
06/04/2026		19/10/2037		19/10/2054		19/10/2061		19/10/2081	
19/10/2037		19/10/2054		19/10/2061		19/10/2081		20/10/2087	
	00/00/0000	बुध	17/03/2040	केतु	17/03/2055	शुक्र	18/02/2065	सूर्य	06/02/2082
	00/00/0000	केतु	14/03/2041	शुक्र	17/05/2056	सूर्य	18/02/2066	चंद्र	07/08/2082
	06/04/2026	शुक्र	13/01/2044	सूर्य	21/09/2056	चंद्र	20/10/2067	मंगल	13/12/2082
शुक्र	10/10/2028	सूर्य	18/11/2044	चंद्र	22/04/2057	मंगल	19/12/2068	राहु	07/11/2083
सूर्य	22/09/2029	चंद्र	20/04/2046	मंगल	19/09/2057	राहु	19/12/2071	गुरु	25/08/2084
चंद्र	23/04/2031	मंगल	17/04/2047	राहु	07/10/2058	गुरु	19/08/2074	शनि	07/08/2085
मंगल	01/06/2032	राहु	03/11/2049	गुरु	13/09/2059	शनि	19/10/2077	बुध	13/06/2086
राहु	08/04/2035	गुरु	09/02/2052	शनि	22/10/2060	बुध	19/08/2080	केतु	19/10/2086
गुरु	19/10/2037	शनि	19/10/2054	बुध	19/10/2061	केतु	19/10/2081	शुक्र	20/10/2087

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
20/10/2087		19/10/2097		20/10/2104		20/10/2122		20/10/2138	
19/10/2097		20/10/2104		20/10/2122		20/10/2138		00/00/0000	
चंद्र	19/08/2088	मंगल	17/03/2098	राहु	03/07/2107	गुरु	08/12/2124	शनि	23/10/2141
मंगल	20/03/2089	राहु	05/04/2099	गुरु	26/11/2109	शनि	21/06/2127	बुध	02/07/2144
राहु	19/09/2090	गुरु	12/03/2100	शनि	02/10/2112	बुध	26/09/2129	केतु	11/08/2145
गुरु	19/01/2092	शनि	20/04/2101	बुध	21/04/2115	केतु	02/09/2130	शुक्र	07/04/2146
शनि	19/08/2093	बुध	18/04/2102	केतु	08/05/2116	शुक्र	03/05/2133		00/00/0000
बुध	19/01/2095	केतु	14/09/2102	शुक्र	09/05/2119	सूर्य	19/02/2134		00/00/0000
केतु	20/08/2095	शुक्र	14/11/2103	सूर्य	02/04/2120	चंद्र	21/06/2135		00/00/0000
शुक्र	19/04/2097	सूर्य	21/03/2104	चंद्र	02/10/2121	मंगल	27/05/2136		00/00/0000
सूर्य	19/10/2097	चंद्र	20/10/2104	मंगल	20/10/2122	राहु	20/10/2138		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 11 वर्ष 6 मा 20 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।